रोल न. .....

1231-A

कक्षा 12वीं त्रैमासिक परीक्षा, 2022-23

लेखाशास्त्र (पुस्तपालन एवं लेखाकर्म)–320

(माध्यम हिन्दी)

(कुल प्रश्नों की संख्या : 23)
(समय : 03 घण्टे)

(कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 08)
(पूर्णांक 80)

निर्देश –

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिसमें सही विकल्प 6 अंक, रिक्त स्थान 7 अंक, सही जोड़ी 6 अंक, एक वाक्य में उत्तर 7 अंक, सत्य/असत्य 6 अंक के प्रश्न होंगे।

(iii) प्रश्न क्र. 6 से 15 तक अति लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। शब्द सीमा 30 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक आवंटित हैं।

(iv) प्रश्न क्र. 16 से 19 तक लघुउत्तरीय प्रश्न हैं। शब्द सीमा 75 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 3 अंक आवंटित हैं।

(v) प्रश्न क्र. 20 से 23 तक विश्लेषणात्मक प्रश्न हैं। शब्द सीमा 120 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक आवंटित हैं।

(vi) प्रश्न क्र. 6 से 23 तक सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(vii) संख्यात्मक प्रश्नों में शब्द सीमा का बंधन नहीं है।

https://www.mpboardonline.com

प्र 1 सही विकल्प चुनिए – (1X6=6)

(i) साझेदार कौन बन सकते हैं?

(अ) व्यक्तियों का समुदाय (ब) कोई संस्था

(स) कोई व्यक्ति (द) कर्मचारी संघ

(ii) यदि साझेदार के आहरण की तिथियां नहीं दी गई हो तो आहरण पर ब्याज की गणना की अवधि होती है –

(अ) 6 माह (ब) $5\frac{1}{2}$ माह

(स) $6\frac{1}{2}$ माह (द) 12 माह

(iii) पुनर्मूल्यांकन का लाभ / हानि बांटा जाता है –

(अ) नए लाभ हानि अनुपात में (ब) प्राप्ति अनुपात में

(स) पुराने लाभ हानि अनुपात में (द) त्याग अनुपात में

(iv) नए साझेदार द्वारा ख्याति का भुगतान किया जाता है –

(अ) भावी लाभ में हिस्सा पाने के लिए (ब) पूंजी के भुगतान के लिए

(स) प्रवेश शुल्क भुगतान के लिए (द) सम्पत्तियों पर अधिकार के लिए

(v) मृत साझेदार के उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान न करने पर कितनी वार्षिक दर से ब्याज देना पड़ता है?

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 6 प्रतिशत

(स) 5 प्रतिशत (द) 8 प्रतिशत

(vi) वसूली खाता बनाया जाता है –

(अ) साझेदार के प्रवेश पर (ब) साझेदार की निवृत्ति पर

(स) फर्म के विघटन पर (द) फर्म के पुनर्गठन पर

https://www.mpboardonline.com

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – (1X7=7)

(i) स्थायी पूँजी खाते की दशा में साझेदारों के वेतन, कमीशन, आहरण आदि का लेखा ..... में किया जाता है।

(ii) ख्याति व्यापार की ..... सम्पत्ति है।

(iii) साझेदारी ठहराव में परिवर्तन साझेदारी फर्म का ..... कहलाता है।

(iv) .... = पुराना अनुपात – नया अनुपात।

(v) नया अनुपात – पुराना अनुपात = ...।

(vi) अवकाश ग्रहण के समय पूर्नमूल्यांकन से होने वाली हानि ..... साझेदारों के पूँजी खाते में लिखी जाती है।

(vii) फर्म के विघटन पर सर्वप्रथम ..... दायित्वों को भुगतान किया जाता है।

प्र.3 सही जोड़ियाँ बनाकर उत्तर लिखिए – (1X6=6)

(अ)	(ब)
(i) कानूनी प्रतिनिधि को भुगतान	(अ) लेखांकन प्रमाप – 26
(ii) दायित्व के मूल्य में वृद्धि	(ब) साझेदार की मृत्यु पर
(iii) किसी एक साझेदार का दिवालिया होना	(स) पुनर्मूल्यांकन खाता क्रेडिट
(iv) ख्याति का लेखांकन	(द) निवर्तन
(v) फर्म से अवकाश लेना	(इ) संयोग द्वारा विघटन
(vi) सभी साझेदारों का दिवालिया होना	(फ़) अनिवार्य विघटन

प्र.4 सत्य/असत्य में उत्तर लिखिए – (1X6=6)

(i) अवयस्क को फर्म के लाभों में शामिल किया जा सकता है।

(ii) नए साझेदार का प्रवेश फर्म के पुनर्गठन को प्रभावित करेगा।

(iii) लाभ में हिस्सा पाना नए साझेदार का प्रमुख अधिकार है।

(iv) लाभार्जन अनुपात में परिवर्तन का ख्याति के मूल्य पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

(v) A, B और C क्रमशः 3 : 2 : 1 के साझेदार है। B निवृत्त होता है। A तथा C का नया अनुपात 3 : 2 होगा।

(vi) ऐच्छिक साझेदारी का विघटन साझेदारों द्वारा एक दूसरे को लिखित सूचना देकर किया जा सकता है।

https://www.mpboardonline.com

प्र.5 एक वाक्य में उत्तर लिखिए – (1×7=7)

(i) x तथा y बिना समझौते के साझेदार हैं, y द्वारा फर्म को 18000 ₹ का ऋण दिया जाता है। y को किस दर से ऋण पर ब्याज प्राप्त होगा?

(ii) जब ख्याति की राशि नगद लाई जाती है तो उसे किस खाते में जमा (क्रेडिट) करते हैं?

(iii) कौनसी ख्याति का लेखा पुस्तकों में नहीं किया जाता?

(iv) त्याग अनुपात की गणना क्यों आवश्यक है?

(v) साझेदार को वार्षिक द्वारा भुगतान करने पर कौनसा खाता खोला जाता है?

(vi) फर्म के विघटन पर साझेदार का ऋण किस खाते में अंतरित करते हैं?

(vii) वसूली खाते में सम्पत्तियों को किस मूल्य पर अंतरित करते हैं?

प्र.6 साझेदारी अधिनियम, 1932 के अनुसार साझेदारी की परिभाषा दीजिए। (2)

अथवा

फर्म से क्या आशय है?

प्र.7 लाभ की गारण्टी से क्या आशय है? (2)

अथवा

विभाजन योग्य लाभ का आशय बताइए।

प्र.8 यदि कोई साझेदार प्रत्येक माह के प्रथम दिन 1500 ₹ वर्ष भर आहरित करता है, तो 10% वार्षिक दर से वर्ष का आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए। (2)

अथवा

एक साझेदार ने 1000 ₹ प्रति माह के मध्य में वर्ष भर आहरित किए। 12% वार्षिक दर से आहरण पर ब्याज ज्ञात कीजिए।

प्र.9 किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अलग हो सकता है? (2)

अथवा

जब साझेदार अवकाश ग्रहण करता है तो हिसाब संबंधी दो समस्याऐं बताइए।

https://www.mpboardonline.com

प्र.10 स्वाति, पूजा और श्वेता 1/2 : 1/3 : 1/6 के अनुपात में लाभ–हानि बाँटते हैं। यदि श्वेता व्यापार से अलग होती है, तो स्वाति और पूजा का नया लाभानुपात क्या होगा? (2)

अथवा

जया, पायल और मल्लिका अपनी पूँजी के अनुपात में लाभालाभ विभाजन करने वाली साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमशः 20,000 ₹, 15,000 ₹ और 10,000 ₹ थी। पायल व्यापार से निवृत्त होती है। जया और मल्लिका भविष्य में 5/8 और 3/8 के अनुपात में लाभ का विभाजन करेंगी। उनके लाभांश प्राप्ति के अनुपात की गणना कीजिए। (2)

प्र.11 त्याग अनुपात और लाभ अनुपात में अंतर बताइए।

अथवा

x, y और z एक फर्म में 1/2 : 1/3 : 1/6 के अनुपात में साझेदार हैं। z व्यापार से अवकाश ग्रहण करता है और x तथा y उसका लाभांश 3 : 2 में क्रय करते हैं। नया अनुपात ज्ञात कीजिए। https://www.mpboardonline.com (2)

प्र.12 साझेदारी फर्म के विघटन से क्या आशय है?

अथवा

साझेदारी के विघटन से आशय लिखिए।

प्र.13 फर्म के विघटन पर एक अलिखित संपत्ति 10,000 ₹ की एक साझेदार 'अ' ने ली, इसके संबंध में वसूली खाते और साझेदारों के पूंजी खाते में क्या लेखा होगा? (2)

अथवा

वसूली खाते का प्रारूप दीजिए।

प्र.14 क्या होगा जब ऐसा आभास हो जाए की साझेदारी फर्म का व्यवसाय निरंतर हानि में ही चलेगा? (2)

अथवा

क्या होगा यदि फर्म के विघटन पर कोई साझेदार स्वयं की पूंजी की कमी के भुगतान में असमर्थ हो?

प्र.15 वसूली खाते और पुनर्मूल्यांकन खाते में 2 अंतर लिखिए। (2)

अथवा

साझेदारी के विघटन और साझेदारी फर्म के विघटन में 2 अंतर लिखिए।

https://www.mpboardonline.com

प्र.16 नए साझेदार के प्रमुख अधिकारों को समझाइए। (3)

अथवा

साझेदारी फर्म में नए साझेदार की आवश्यकता किन दशाओं में होती है? समझाइए।

प्र.17 अरुण और वरुण साझेदार हैं जिनकी पूंजी क्रमशः 8000 ₹ और 4000 ₹ है। वे तरुण को इस शर्त पर साझेदार बनाते हैं कि वो अपने भाग की ख्याति का प्रीमियम 1500 ₹ और अपने हिस्से की यथेष्ट पूंजी नकद देगा जो समस्त साझेदारों की संयुक्त पूंजी की 1/3 होगी। तरुण की पूंजी ज्ञात कीजिए। (3)

अथवा

लव और कुश एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ/हानि को 3:2 के अनुपात में बांटते हैं वे भविष्य में लाभ/हानि को समान अनुपात में बांटने का निश्चय करते हैं इस उद्देश्य हेतु ख्याति का मूल्यांकन 1,20,000 ₹ किया गया। उपरोक्त व्यवस्था के लिए आवश्यक नकल प्रविष्टियां कीजिए।

प्र.18 अ और ब 3:1 के अनुपात में लाभ–हानि बांटते हैं। वे 'स' को 1/4 भाग के लिए साझेदारी में प्रवेश देते हैं। उनके लाभ/हानि विभाजन का नया अनुपात ज्ञात कीजिए। (3)

अथवा

अजय तथा विजय 3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उन्होंने संजय को 1/5 भाग का साझेदार बनाया, जो अपना हिस्सा अजय तथा विजय से बराबर प्राप्त करता है। नया अनुपात ज्ञात कीजिए।

प्र.19 ख्याति की विशेषताएं लिखिए। (3)

अथवा

ख्याति उत्पन्न होने के कारण लिखिए।

प्र.20 साझेदारी संलेख में उल्लेखित बिंदुओं को समझाइए। (4)

अथवा

परिवर्तनशील पूँजी और स्थायी पूँजी में अंतर समझाइए।

https://www.mpboardonline.com

प्र.21 X और Y एक फर्म में साझेदार हैं। 31 मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष में उन्होंने 1,60,000 ₹ लाभ अर्जित किया। साझेदारी समझौते के अनुसार फर्म के लाभ का विभाजन एवं अन्य व्यवस्थाएँ निम्नानुसार है – (4)

(अ) पूँजी पर 6% वार्षिक से ब्याज दिया जाएगा।

(आ) X की पूँजी पर ब्याज 8000 ₹ और Y की पूँजी पर ब्याज 7500 ₹ हैं।

(इ) X को 12000 ₹ वार्षिक वेतन दिया जाएगा।

(ई) आहरण पर 5% वार्षिक ब्याज लगाया जाएगा।

(उ) आहरण पर ब्याज X-1200 ₹ तथा Y-2000 ₹ है।

(ऊ) साझेदारों के बीच लाभ–हानि का विभाजन 3 : 2 में किया जाएगा।

लाभ–हानि नियोजन खाता बनाइए।

अथवा

A और B एक फर्म में साझेदार है, जिनकी पूँजी क्रमांक 5,00,000 ₹ और 8,00,000 ₹ हैं। इनके बीच साझेदारी समझौता नहीं हुआ है। 31 मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष में 1,80,000 ₹ का लाभ हुआ B पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज हेतु दावा करता है, जबकि A इसके पक्ष में नहीं हैं लाभ–हानि वितरण खाता बनाकर साझेदारों के मध्य लाभ का विभाजन कीजिए।

प्र.22 यदि किसी साझेदार की मृत्यु वर्ष के दौरान हो जाती है तो ऐसे साझेदार के हिस्से का लाभ कैसे ज्ञात करेंगे। (4)

अथवा

निवृत्त साझेदार को देय राशि के भुगतान की विधियों को समझाइए।

प्र.23 पारस, विकास और नितिन एक फर्म में 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। विकास 31 दिसंबर, 2018 को अवकाश ग्रहण करता है। इस दिन साझेदारों के पूँजी खातों के शेष क्रमशः 6,000 ₹, 5,000 ₹ और 4,000 ₹ थे। ख्याति का मूल्य 4,500 ₹ आँका गया, जो पुस्तकों में नहीं दर्शायी जावेगी। पुनर्मूल्यांकन के आधार पर मशीन 1,200 ₹ तथा स्कंध 800 ₹ कम कर दिया गया। संदिग्ध ऋणों के लिए 280 ₹ संचित किए गए। लेनदारों की राशि 600 ₹ कम कर दी गई और पेटेंट, जिसका पुस्तकीय मूल्य 300 ₹ था, निर्मूल्य हो गया। लाभ–हानि समायोजन खाता बनाइए। (4)

https://www.mpboardonline.com

अथवा

रवि, सोम और मंगल 2:3:5 के अनुपात में लाभ–हानि बांटते हैं। उनका चिट्ठा 31 दिसंबर 2018 को निम्नांकित है –

चिट्ठा				
दायित्व		रकम ₹	सम्पत्तियां	रकम ₹
सामान्य संचय		18,000	भवन	40,000
लेनदार		12,000	फर्नीचर	20,000
पूँजी			देनदार	15,000
रवि	20,000		रोकड़	9,000
सोम	18,000			
मंगल	16,000	54,000		
		84,000		84,000

1 जनवरी, 2019 को मंगल अवकाश ग्रहण करता है। निम्नांकित को ध्यान में रखकर लाभ–हानि समायोजन खाता बनाइए –

(1) भवन व फर्नीचर में 5% वृद्धि

(2) देनदारों पर 10% अशोध्य ऋण संचय

(3) लेनदारों पर 5% कटौती

(4) वैधानिक व्यय हेतु प्रावधान 200 ₹

---

https://www.mpboardonline.com